चुनाव सुधार पर फोरसाइट की संगोष्ठी

नई दिल्ली, वि. : भारतीय लोकतांत्रिक ढांचे के अधीन चुनाव सुधार की आवश्यकता विषय पर फोरसाइट की ओर से फोरम के तत्वावधान में यहां इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के करीब 250 से ज्यादा विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता व सांसद प्रकाश जावड़ेकर, लोकसभा के पूर्व महासचिव व कानूनविद सुभाष कश्यप, पूर्व केंद्रीय मंत्री व अधिवक्ता राम जेठमलानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सोमपाल शास्त्री, फोरसाइट के अध्यक्ष प्रवीण आर्य और फोरम के संयोजक व अधिवक्ता प्रदीप आर्य ने विचार व्यक्त किए।

जावड़ेकर ने लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराने व अनिवार्य मतदान का समर्थन किया तो चुनाव खर्च चुनाव आयोग द्वारा वहन करने के प्रस्ताव का विरोध किया। जेठमलानी ने लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए शिक्षित मतदाता को लोकतंत्र की कसौटी माना। सोमपाल शास्त्री ने चुनाव में धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रयोग पर चिंता व्यक्त की। सुभाष कश्यप ने चुनाव जीतने के लिए 51 फीसदी मत पाने को वैध करने की वकालत की। उन्होंने मतदान को जनता की प्रजातांत्रिक जिम्मेदारी माना। प्रवीण आर्य ने संगोष्ठी के बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फोरसाइट की कोशिश लोकसभा व विधानसभाओं चुनाव एक साथ कराने, संसद और विधानसभा का कार्यकाल स्थाई करने, मतदान को अनिवार्य और चुनाव खर्च चुनाव आयोग द्वारा वहन करने की दिशा में प्रयास जारी रखने की है।

● चुनाव सुधारों पर विचार गोष्ठी

नई दिल्ली, (मैट्रो): भारत के प्रजातांत्रिक ढांचे के अंतर्गत चुनाव सुधार की आवश्यकता पर फोरसाइट द्वारा फोरम के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद प्रकाश जावडेकर, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता रामजेठमलानी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सोमपाल शास्त्री, फोरसाइट के अध्यंक्ष प्रवीण आर्य व फोरम के संयोजक प्रदीप आर्य सहित करीब ढाई सौ प्रोफेशनल ने भाग लिया।

'अपने संबोधन में जावेडकर ने लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ करवाने और जरूरी वोटिंग का समर्थन करने के साथ ही चुनावी खर्चों की चुनाव आयोग द्वारा वहन करने का विरोध किया।

चुनाव सुधारों पर गोष्ठी

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 31 मार्च। गैर राजनैतिक संगठन फोरसाइट के वैनरतले 'भारत के प्रजातांत्रिक ढांचे के तहत चुनाव सुधार की जरूरत' विषय पर हुई गोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने हिस्सा लिया। भाजपा के प्रवक्ता और सांसद प्रकाश जाबड़ेकर, लोकसभा के पूर्व महासचिव और वकील सुभाष कश्यप, पूर्व केंद्रीय मंत्री राम जेठमलानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सोमपाल शास्त्री, संगठन के अध्यक्ष प्रवीण आर्य और संयोजक प्रदीप आर्य ने लोगों को संबोधित किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रकाश जाबड़ेकर ने लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करवाने के साथ ही उन्होंने मतदान का भी समर्थन किया। साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग के चुनाव पर आने वाले खर्च को वहन करने का विरोध किया। जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ वकील राम जेठमलानी ने एक शिक्षित मतदाता को एक स्वस्थ लोकतंत्र की कसौटी माना। इसके साथ ही उन्होंने नैतिकता और चरित्र के गिरते स्तर पर चिंता भी जताई। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की मुहिम पर अपनी सहमति जताई और कहा कि इससे आर्थिक बोझ काफी कम हो सकेगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सोमपाल शास्त्री ने कहा कि राजनीति में आजकल धन बल जरूरत से ज्यादा बढ़ चुका है जो कि एक चिंता का विषय है उन्होंने राजनीतिज्ञों के लिए आम जनता के अविश्वास को प्रजातांत्रिक मूल्यों के लिए एक चुनौती बताया। पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप ने किसी भी चुनाव को जीतने के लिए 51 फीसद वोट पाने की वैधता करने की वकालत की। उन्होंने जरूरी मतदान को प्रजातांत्रिक जिम्मेदारी माना। संगठन के अध्यक्ष ने कहा कि गोष्ठी को तीन बिंदुओं तक सीमित रखा गया है।